UPSSSC Mukhya Sevika Exam Pattern 2023 (Selection Process)

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग **(Uttar Pradesh Subordinate Services Selection Commission)** द्वारा मुख्य सेविका **(**प्रधान सेवक**)** की भर्ती का आयोजन कुल **02** चरणों में किया जाता है, जो इस प्रकार हैं **–**

- **UPSSSC PET Score Card** के आधार पर
- मुख्य **(Mains)** लिखित परीक्षा

विषय **(Subject)**	प्रश्न **(Question)**	अंक **(Number)**	समय **(Time)**
विषयगत ज्ञान	**100**	**100**	**2** घंटा

- इस परीक्षा प्रश्न पत्र में **MCQ objective type** के प्रश्न शामिल होंगे।
- इस परीक्षा में मुख्य सेविका के पद से सम्बंधित विषयों से प्रश्न पूछे जायेंगे।
- इसकी लिखित परीक्षा में आपसे कुल **100** प्रश्न पूछे जायेंगे जिसमें प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
- प्रश्न पत्र को हल करने के लिए उम्मीदवार को **120** मिनट का समय दिया जाएगा।
- ध्यान रहे कि परीक्षा में किसी भी प्रश्न का गलत उत्तर देने पर **0.25-1/4** अंक काट लिए जाएंगे।

Extra Details

UPSSSC Mukhya Sevika Syllabus Pattern 2023	
Event	Details
Organization (संगठन)	उत्तर प्रदेश (UP) अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSC)
Exam Mode (परीक्षा मोड)	लिखित परीक्षा (ऑफलाइन)
Exam Level (परीक्षा स्तर)	Diploma
Exam Type (परीक्षा का प्रकार)	वस्तुनिष्ठ एवं बहुवैकल्पिक (MCQ)
Paper Medium (पेपर माध्यम)	हिंदी और अंग्रेजी
Total Question (कुल प्रश्न)	100

Total Time (कुल समय)	120 मिनट
Total Marks (कुल अंक)	100
Correct Answer (सही उत्तर)	01 अंक
Negative Marking (नकारात्मक अंकन)	Yes, (1/4 अंक)
Subjects Name (विषयों के नाम)	मुख्य सेविका के कार्य से संबंधित
Cut Off Marks (कट ऑफ मार्क्स)	Available Soon

UP Mukhya Sevika Exam Pattern 2023

- ग्राम सेवक की लिखित परीक्षा में एक ही पेपर होगा।
- परीक्षा में **Objective Type Questions** होंगे।
- परीक्षा दो भाषाओं **English and Hindi** में होगी।
- प्रश्न पत्र **(Question Paper)** हल करने के लिए सभी अभियर्थियों को **1** घंटा **30** मिनट का समय दिया जाएगा।

UP Mukhya Sevika Written Exam Syllabus 2023

General Awareness and General Knowledge

- भारत और पड़ोसी देशो का इतिहास
- संस्कृति
- भूगोल
- स्वतंत्रता आंदोलन
- आर्थिक परिदृश्य
- भारतीय कृषि और प्राकृतिक संसाधनों **(Natural Resources)** की प्रमुख विशेषता
- भारतीय संविधान
- देश की राजनैतिक प्रणाली
- समुदायिक विकाश
- वैज्ञानिक आविष्कार और खोज
- रास्टीय और अंतर्राष्टीय पुरस्कार
- मुद्रा
- खेल-कूद

Hindi Language and Grammar

- अशुद्ध वाक्यों के शुद्ध रूप
- विलोमार्थी शब्द
- समानार्थी व पर्यायवाची शब्द
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
- कहावतें व लोकोक्तियां के अर्थ
- संधि विच्छेद

- संज्ञा और सर्वनाम
- रचना एवं रचयिता
- वर्तनी की सामान्य अशुद्धियाँ
- शब्दों के स्त्रीलिंग
- बहुवचन
- मुहावरा व उनका अर्थ

English Language and Grammar

- व्याकरण **(Grammar)**
- गलतीयों का सुधार **(Error Correction)**
- मुहावरे और वाक्यांश **(Idioms & Phrases)**
- शब्दावली **(Vocabulary)**
- काल **(Tenses)**
- रिक्त स्थान भरें **(Fill in the Blanks)**
- सामग्री **(Articles)**
- क्रिया **(Verb)**
- वाक्य व्यवस्था **(Sentence Rearrangement)**
- अनदेखी मार्ग **(Unseen Passages)**
- विलोम शब्द **(Antonyms)**
- समानार्थक शब्द **(Synonyms)**
- विलोम शब्द **(Antonyms)**
- विषय क्रिया समझौता **(Subject-Verb Agreement)**

Some Other Important Topics

कुछ अन्य टॉपिक जो कि बेहद जरूरी है एग्जाम को पास करने के लिए तो इसकी तैयारी भी आपको करनी होगी

- मुख्य सेविका की भूमिका और जिम्मेदारियां।
- गरीबी, दहेज, घरेलू हिंसा, तलाक, अंतर-पीढ़ी संघर्ष, जातिवाद, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक नियंत्रण आदि।
- जनसंख्या विस्फोट, जनसंख्या वृद्धि एवं नियंत्रण
- विवाह, परिवार, जाति लिंग असमानता, धर्म और भाषाएँ।
- विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं से संबंधित सामाजिक समस्याएं और मुद्दे।
- ऊर्जा, संतुलित आहार, भोजन की कैलोरी वैल्यू और वज़न प्रबंधन **(weight management)**।
- भोजन के आवश्यक घटकों **(proteins, carbohydrates, fats, vitamins, minerals, water)** तथा उनके स्रोत, कार्य, आवश्यकता तथा उनकी कमी से होने वाले रोगों की पूर्ण जानकारी।
- रोग: बुखार, डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटनेस, पोलियोमाइलाइटिस, खसरा, क्षय रोग, चिकन पॉक्स, हेपेटाइटिस, मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड, दस्त, कृमि संक्रमण, एनीमिया, कारण, लक्षण और उपचार
- परामर्श **(Counselling)**: इसका अर्थ, आवश्यकता और तकनीक, प्रभावी संप्रेषण और इसकी कुशलता।
- गर्भावस्था के संकेत और गर्भावस्था की जटिलताएं, प्रसव, गर्भावस्था के दौरान पोषण की आवश्यकता, जन्म के चरण, प्रसव के प्रकार, महिलाओं का स्वास्थ्य और गर्भपात **(abortion)** आदि।
- **Growth and Development:** शारीरिक विकास, मोटर विकास, भावनात्मक विकास, भाषा विकास, सामाजिक विकास, संज्ञानात्मक विकास

- पूरे जीवनचक्र **(Lifecycle)** में पोषण**:** भारत में शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर
- खाना पकाने के दौरान पोषक तत्वों का संरक्षण, खाद्य पदार्थों के पोषण मूल्य को बढ़ाने के पारंपरिक तरीके, अंकुरण, किण्वन, खाद्य सहक्रिया।
- नवजात शिशु की देखभाल, स्तनपान की विधियाँ, कुपोषण एवं पूरक पोषण,
- बाल विकास की अवस्थाएं और विकास **(Development)** को प्रभावित करने वाले कारक।
- प्रतिरक्षण के प्रकार और कार्यक्रम।
- स्वास्थ्य एजेंसियों की जानकारी**: WHO, UNICEF, UNFPA, UNDPA, Red Cross, Indian Council for Child Welfare, Family Planning Association of India** आदि।
- सार्वभौमिक प्रतिरक्षण/टीकाकरण कार्यक्रम**:** जन्म से पहले और जन्म के बाद प्रतिरक्षण/टीकाकरण।